30/11/2020 (Teaching of Social Studies) (1)
B.Ed 1st year

सामाजिक अध्ययन के शिक्षक की मुख्य विशेषताएँ →

(1) व्यक्तिगत गुण Individual Qualities)

(1) सामाजिक अध्ययन विषय में रुचि →

विज्ञान अध्यापक का विज्ञान की विषय-वस्तु पर पूर्ण अधिकार होना चाहिए इसके लिए अध्यापक को विज्ञान में रुचि रखना अति आवश्यक है जब तक अध्यापक विज्ञान में रुचि नहीं लेगा तब तक कक्षा में उत्साह लगन तथा परिश्रम से पढ़ाने में असमर्थ रहेगा

(2) व्यक्तित्व (Personality) — डब्लू० एम० रामबर्न के अनुसार →

"शिक्षा सम्बन्धी सफलता अध्यापक पर ही निर्भर होती है उसके ज्ञान और योग्यता पर विशेषकर उसके व्यक्तित्व और जीवन सम्बन्धी गुणों तथा सदाचार पर।"

(1) अच्छे शरीर में अच्छे मन का विकास
(Sound mina sound Body)

यह एक पुरानी कहावत है अध्यापक को शारीरिक तौर पर स्वस्थ होना चाहिये इस प्रकार वह अपने उत्तरदायित्व अच्छी प्रकार निभा सकता है।

Scanned with CamScanner

(ii) व्यक्तिगत रूप (Personal Appearance)

चेहरा मन चित्र होता है (Face is the Index of mind) अध्यापक की व्यक्तिगत आकृति अच्छी होगी तो बच्चों उससे प्रभावित होंगे। गन्दा अध्यापक तथा ठीक प्रकार के कपड़े न पहनने वाला अध्यापक आधुनिक युग में बच्चों को प्रभावित नहीं कर सकता विशेषकर छोटी आयु के बच्चे गन्दे अध्यापक की योग्यता द्वारा अधिक प्रभावित नहीं हो सकते।

(iii) आवाज (Voice) → उसकी आवाज स्पष्ट और बच्चों पर प्रभाव डालने वाली हो। इसके अतिरिक्त उसका उच्चारण ठीक न होना केवल उसकी अपनी ही शान को कम नहीं करता इससे विद्यार्थी भी गलत बोलता है।

(iv) बोली (Expression) → अध्यापक को निरन्तर और प्रभावशाली ढंग के साथ बोलना आना चाहिये। प्रत्येक अध्यापक के लिए विस्तार पूर्वक बताना विशेष बातों को बढ़ाकर बताना अति आवश्यक है। वह यह बातें उतनी देर तक सफलता पूर्वक नहीं कर सकता जब

तक उसको भाषा में निपुणता प्राप्त नहीं होती।

(v) साधारण बुद्धि - बुद्धि से ऊपर (Above Nomal Intelligence) - साधारण रूप से अच्छी योग्यता वाला अध्यापक ही अपने साधनों का ठीक प्रयोग कर सकता है। उसको वास्तविक दृष्टिकोण और शीघ्र निर्णय देने वाला होना चाहिये।

(vi) अच्छी मानसिक दशा (Sound mental Health)

एक अध्यापक का जीवन संतुलित विचारों वाला होना चाहिये। इसके कर्तव्य उससे सशक्त और सक्रिय जीवन की मांग करते हैं। अध्यापक को हर समय कठिन हालत का सामना करना चाहिये।

(vii) अच्छा आचरण (Sound Character)

अध्यापक के आचरण की बिल्कुल आलोचना नहीं होनी चाहिये। उसको अपने संवेगों पर और विशेषकर क्रोध पर नियन्त्रण रखना चाहिये। विद्यार्थियों के साथ

Scanned with CamScanner

व्यवहार करते समय उसमें साहस तथा सन्तोष होना चाहिये, उसका स्वभाव न्यायप्रिय, गलतफहमियों से दूर और निष्पक्षता पर आधारित होना चाहिये

(viii) नेतृत्व सम्बन्धी गुण (Qualities of Leadership) — अध्यापक एक समूह का नेता होता है जिसको श्रेणी कहा जाता है। यदि अध्यापक प्रभावशाली नेतृत्व को अपनाये तो स्कूल में अनुशासन सुगमता से स्थापित किया जा सकता है।

(3) विषय के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण

विषय के प्रति अध्यापक को सकारात्मक तथा रचनात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिये क्योंकि अध्यापक के स्वयं के दृष्टिकोण का सीधा प्रभाव बालकों की सीखने की प्रक्रिया तथा गति पर पड़ता है

(4) साधन सम्पन्नता — जिन अध्यापकों में साधन-सम्पन्नता की विशेषता (गुण) होता है वे आवश्यकतानुसार यथासम्भव विभिन्न साधनों (उपकरण तथा अन्य सहायक

सामग्री) की व्यवस्था कर लेते हैं तथा अपने शिक्षण को अधिक प्रभावशाली एवं सफल बना सकते हैं। अध्यापक में सृजनात्मकता तथा कल्पना शक्ति होनी चाहिए तथा यह उनके क्रिया कलापों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित भी होनी चाहिए।

(5) <u>आत्म विश्वास एवं धैर्यवान</u> → अध्यापक में आत्म विश्वास का होना आवश्यक है। बालकों को विषय-वस्तु का विश्लेषण तथा स्पष्टीकरण करने के लिए अध्यापक में धैर्य तथा आत्म विश्वास की आवश्यकता होती है।

(6) <u>उत्तम स्वास्थ्य</u> → अध्यापक शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा चरित्रवान होना चाहिए सामान्यतः यह कहा जाता है कि <u>स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है</u> यदि अध्यापक का स्वास्थ्य अच्छा नहीं है तो वह शिक्षण कार्य सफलतापूर्वक नहीं कर सकता क्योंकि शक्ति एवं स्फूर्ति ही शिक्षण काम में उत्साह लाती है।

Scanned with CamScanner

(2) व्यावसायिक गुण (Professional Qualities)

(1) विषय - वस्तु का ज्ञान — अध्यापक के लिए यह आवश्यक है कि उसे अपने विषय के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी हो यदि उसका विषय सम्बन्धी ज्ञान अधूरा या दिखावा होगा तो वह अपने छात्रों का विश्वासपात्र नहीं हो सकेगा जब तक अध्यापक का विषय - वस्तु पर पूर्ण अधिकार नहीं होगा तब तक वह धैर्य तथा आत्म-विश्वास के साथ शिक्षण नहीं कर पायेगा

(2) विषय - वस्तु के प्रस्तुतीकरण का ढंग — कक्षा में जो भी प्रकरण सम्प्रत्यय सूत्र या विषय छात्रों को पढ़ाना है तर्क - वितर्क, विश्लेषण के साथ ही अध्यापक को प्रस्तुत करना चाहिये समस्या के प्रत्येक पद को तार्किक तथा क्रमबद्ध ढंग से छात्रों के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिये

Scanned with CamScanner

(3) व्यक्तिगत विभिन्नताओं का ज्ञान :-

प्रत्येक छात्र की पढ़ने, लिखने, समझने अथवा काम करने की गति तथा क्षमता अलग-अलग होती है। इसलिए एक अच्छे अध्यापक के लिए हमेशा ही इन व्यक्तिगत विभिन्नताओं को समझना अति आवश्यक है।

(4) विभिन्न-शिक्षण-विधियों का ज्ञान—

अध्यापक को विषय-वस्तु पर अधिकार होने के साथ-साथ सामाजिक अध्ययन शिक्षण की उत्तम तथा प्रभावशाली विधियों की जानकारी भी आवश्यक है।

अतः छात्रों की व्यक्तिगत विभिन्नताओं रुचियों आवश्यकताओं तथा योग्यताओं के अनुसार उपयुक्त शिक्षण विधियों का चयन करना चाहिये।

MISS DOLI
Asst. Professor

Scanned with CamScanner